Work from home

Weekly progress report of NSS,NCC,RR And Student Help Cell

Respected Sir,

As per the direction of state govt and regional director higher education ,Bareilly,Gandhi Faiz e-Aam College shahjahanpur,organized different online activities through NCC,NSS,RR And Student help desk

NSS Programme officers of our college Dr Mohd Tarique,Dr kahkasha Begum and Nodal Officer Dr Shabana Sajid have attended various online meeting with MJPRU coordinator,state level officer and other renowned personalities regarding covid 19 pandemic.Dr Shabana Sajid nodal officer of shahjahanpur district suggested the name of Dr Mohd Tarique and Dr Kahkasha Begum as a counsellor to the state level officer and these programme officers are providing online trainning programme of mental health issues and counselling of volunteers and stressed people specially quarantine persons.They have motivated hundreds of people to download Arogya setu app and i got diksha registration.Thousands of masks are being made and distributed by the NSS volunteers of shahjahanpur districts.our programme officers also visited to the poor home shelters and provided food materials to the needy persons.They also appeal to the public to look after the steer dogs,animals and birds in the lock down.They have also organised online classes of yoga to build the immune system.

College NCC Team under the able leadership of Dr Amil usmani and their cadets making efforts for the downloading of the Arogya setu app.NCC Officers himself and 45 cadets uploaded the app.55 NCC Cdets registered themslf under the online trainning programme with the collabration of k g m c lucknow.They also make aware to the students about advisories issued by central govt and state govt.

Rovers and Rangers team of g f college shahjahanpur under the dynamic leadership of Rover incharge Dr Kashif Naim and Rangers Incharge Dr Saman Zahra Zaidi make aware to the students through social media regarding social distancing,to wash the hands regularly,wear mask and coperate with the covid varriors.some of the volunteers of rovers and rangers distributing foods to the needy person in their village

प्रो. जमील अहमद
प्राचार्य

सैय्यद मोईनुद्दीन
अध्यक्ष (प्रबंध समिति)

गाँधी फैज़ - ए- आम कॉलेज , शाहजहांपुर

आतंरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ (IQAC), महाविद्यालय की प्रबंध समिति के अध्यक्ष सैय्यद मोईनुद्दीन तथा प्राचार्य प्रोफ़ेसर जमील अहमद के निर्देशन में कोविद-19 महामारी के समय में शासन की मंशानुसार छात्रों के हित में सदैव क्रियाशील है और निम्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा है :

१. ऑनलाइन क्लासेज (सेमिस्टर एवं प्रोफेशनल कोर्सेज हेतु)
२. इ-कंटेंट (वेबसाइट एवं व्हाट्सप्प ग्रुप पर उपलब्ध)
३. छात्रों में उत्पन्न मानसिक तनाव को कम करने के लिए विशेषज्ञों के प्रकोष्ठ का गठन (कोविद-19 जी एफ कॉलेज स्टूडेंट हेल्प सेल)
४. NCC , NSS तथा रोवर्स रेंजर्स के वालंटियर के द्वारा कोविद-19 के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

Dr. Naeemuddin Siddiqui
Coordinator, IQAC

Syed Anees Ahmad

Dr. Mohammad Tayyab

Dr.(Mrs.) Yukti Mathur

Dr. S Musavvir Husain Rizvi

Dr. Mohd Sajid Khan

Dr. Abul Hasnat

Dr. Rahbar Ali

Dr. Arshad Ali

Dr.Mohd Amil Usmani

Dr. Jamil Ahmad Khan

जागरूक होकर मुस्कुराएगा इंडिया

शेखर टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। राज्यस्तरीय वेबिनार का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना एवं यूनिसेफ के सयुंक्त तत्वधान में आयोजित किया गया।

मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक लोगो की सहभागिता कर उन्हें जागरूक करना था। उत्तर प्रदेश रज्य से सभी विश्वविद्यालयो के के कुलपतियो के साथ कार्यक्रम समन्वयक , कार्यक्रम अधिकारियों एवं सक्रिय स्वयं सेवक सेविकाओं ने प्रतिभाग किया। यूनिसेफ के अधिकारियों द्वारा कोरोना वायरस से बचाव के विभिन्न सुझाव दिए गए । यूनिसेफ के डायरेक्टर अमित मेहरोत्रा एवन्य अधिकारी अनन्या ,नवीन आदि मौजूद रहे ।

बताया कि हाथ धुलने का सही तरीका क्या है, किस प्रकार का भोजन ग्रहण करना चाहिए आदि अनेक बिन्दुओ पर प्रकाश डाला । अपनी मानसिक स्थिति को कैसे ठीक रखे इस पर डा. रश्मि ने अपने सुझाव दिए, सौरव कुमार ने बताया किस प्रकार पूरे भारत में स्वयं सेवी प्रशासन की सहायता कर रहे हैं । एसएलओ अंशुमाली शर्मा राष्ट्रीय सेवा योजना, संचालन किया।

क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. अशोक कुमार श्रोती रासेयो ने सभी का आभार व्यक्त किया। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए डॉ सोमपाल सिंह कार्यक्रम समन्वयक एम जे पी आर यू बरेली ने बताया की 300000 से अधिक स्वयं सेवी शासन की सहायता के लिए तैयार हैं।

इसी कड़ी में डॉ शबाना साजिद नोडल अधिकारी के नेतृत्व में लगभग 165 से अधिक सक्रिय स्वयं

सेवक सेविकाओं ने प्रतिभाग किया। जीएफ कॉलेज से डॉ. कहकशां बेगम, डॉ तारिक़ ,एस एस कॉलेज कार्यक्रम अधिकारी डॉ शालीन , आर्य महिला कॉलेज से डॉ रेनू आदि कई कार्यक्रम अधिकारियों ने भाग लिया। प्रज्ञा ,काजल यादव,प्रिया, यश्वी राजानी,आलिया, नुबिशा, तूबा, दानिया, हर्षिता ,अनुश्री राजकुमार, मोनिस उपस्थित रहे।

युवा हस्ताक्षर शाहजहां...

जागरूक होकर ही मुस्कुराएगा इंडिया

शाहजहांपुर। आज एक राज्यस्तरीय वेबिनार का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वधान में आयोजित किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता कर उन्हें जागरूक करना था इस वेबिनार का आयोजन जूम एप के द्वारा कराया गया जिसमे उत्तर प्रदेश राज्य से सभी विश्वविद्यालयो के के कुलपतियों के साथ साथ कार्यक्रम समन्वयक, कार्यक्रम अधिकारियो एवं सक्रिय स्वयं सेवक सेविकाओं ने प्रतिभाग किया। इस वेबिनार में लगभग 3000 लोगो ने सहभागिता की। यूनिसेफ के अधिकारियों द्वारा कोरोना वायरस से बचाव के विभिन्न सुझाव दिए गए इसके अंतर्गत यूनिसेफ के निदेशक अमित मेहरोत्राए अधिकारीगण अनन्या, नवीन आदि मौजूद रहे और बताया की हाथ धुलने का सही तरीका क्या हैए किस प्रकार का भोजन ग्रहण करना चाहिए आदि अनेक बिन्दुओ पर प्रकाश डाला। अपनी मानसिक स्थिति को कैसे ठीक रखे इस पर डॉ. रश्मि ने अपने सुझाव दिए सौरव कुमार एनएसएस डायरेक्टर ऑफ इंडिया ने सभी का स्वागत कियाऔर बताया की किस प्रकार पूरे भारत मय किस प्रकार स्वयं सेवी प्रशासन की सहायता कर रहे हैं एसएलओ अंशुमाली शर्मा एनएसएस ने इस वेबिनार का संचालन किया औरिजनेल डायरेक्टर डॉ अशोक कुमार श्रोती ने सभी का आभार व्यक्त किया। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए डॉ सोमपाल सिंह कार्यक्रम समन्वयक एम जे पी आर यू बरेली ने बताया की 300000 से अधिक स्वयं सेवी शासन की सहायता के लिए तैयार हैं। शाहजहाँपुर से डॉ शबाना साजिद नोडल अधिकारी के नेतृत्व में लगभग 165 से अधिक सक्रीय स्वयं सेवक सेविकाओं ने प्रतिभाग किया। इसमें जी एफ कॉलेज से डॉ कहकशा बेगमए डॉ तारिक एस एस कॉलेज कार्यक्रम अधिकारी डॉ शालीनए आर्य महिला कॉलेज से डॉ रेनू आदि कई कॉलेजों ने भाग लिया इस वेबिनार में सक्रिय स्वयं सेवकथ् सेविकाएं प्रज्ञा एकाजल यादवएप्रियाए यशी राजानी हर्षिताए अनुश्री आदि उपस्थित रहे। 3 घण्टे के इस वेबिनार में कई महत्वपूर्ण बिन्दुओ पर चर्चा की गई। प्राचार्य प्रोफेसर जमील अहमद ने इस राज्यस्तरीय कार्यक्रम सभी ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने पर हर्ष व्यक्त किया और यूनिसेफ के दिशा.निर्देशों का पालन करने की अपील की।

12:40 PM | 81.2KB/s

E_2020_aprill 2...

गता रोवर-रेंजर कर रहे मानव सेवा

शेखर टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। गांधी फ़ैज़ ए आम कॉलेज के एमए का छात्र कॉरोना जैसी वैश्विक बीमारी के चलते जनपद में भूखे लोगों के लिए मेहनत कर रहा है जिससे गरीब लोगों को खाना मिल सके और उन्हें भूके पेट नहीं रहना पड़े । रोवर रेंजर को हमेशा यह सिखाया जाता है कि जब भी देश पर कोई मुश्किल परिस्थिति आये तो उन्हें तन मन से देश की सेवा करनी चाहिए। इसलिए छात्र रीनू लाकडाउन शुरू होने के साथ ही प्रशासन की ओर से जूनियर हाईस्कूल कांट में सामुदायिक रसोई चलायी जा रही है जिसमें रोवर्स रेंजर्स के छात्र सेवा कर रहा है।

महाविद्यालय प्राचार्य प्रो.जमील अहमद ने कहा कि संकट इस घड़ी में कोरोना जैसी वैश्विक बीमारी से लड़ने के लिए देश के सभी युवाओं को जागरूक होना होगा तभी हम लोगों की सहायता कर सकते है। रोवर्स प्रभारी डॉ. मो. काशिफ नईम और रेंजर्स प्रभारी डॉ. समन जहरा जैदी ने बताया कि रोवर्स रेंजर्स के छात्र और छात्राए अपने-अपने क्षेत्रों में कोविड.19 जैसी बीमारी से बचने के लिए सोशल डिसटेंनसिंग , स्वच्छता और मास्क वह सेनिटाइजर के प्रयोग के प्रति लोगों को जागरूक कर रहे हैं।

प्रेमचंद व भारतीय किसान विषय पर सेमिनार

शेखर टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। गांधी फैज-ए-आम कॉलेज की प्रबंध समिति के अध्यक्ष जनाब सैयद मोइनुद्दीन के निर्देशन में हिंदी विभाग द्वारा 'प्रेमचंद और भारतीय किसान विषयक एक ऑनलाइन सेमिनार, सेमिनार का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के प्रोफेसर सदानंद शाही ने अपने वक्तव्य में कहा कि प्रेमचंद अपने साहित्य के माध्यम से यह स्थापित करते हैं कि किसान भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। दौर में फैली महामारी कोविड-19 प्रेमचंद की इस धारणा को पुख्ता करती है। किसान को मजबूत करने का मतलब है कि गाँव को मजबूत करना। उन्होंने प्रेमचंद के उपन्यासों और कहानियों के हवाले से बताया कि सामाजिक व्यवस्था ने भारतीय किसान को अंधविश्वास, रूढ़ियों और धर्म के पाखंड से ग्रस्त कर रखा है। इनसे मुक्ति ही किसान की असली मुक्ति है। उन्होंने प्रेमचंद के निबंध महाजनी सभ्यता का हवाला देते हुए बताया कि इस सभ्यता ने किसानों के सामने नई तरह की चुनौतियाँ खड़ी की हैं। प्रेमचंद अपने साहित्य में इन्हीं चुनौतियों के प्रति आगाह करते हैं।

विशिष्ट वक्ता डी.ए.वी. कॉलेज, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी केएसोशिएट प्रो. डॉ0 समीर कुमार पाठक ने कहा कि यह बहुत विडंबना है कि आज का किसान आत्महत्या कर रहा है। प्रेमचंद ने बहुत पहले अपने लेख 'हतभागे किसान' में इस समस्या की ओर संकेत कर दिया था। आज सरकार को किसान को नवीन तकनीक और आधुनिक विचारधारा से जोड़ने की जरूरत है। वर्तमान में खेती के अवसर घट रहे हैं। खेती घाटे का सौदा साबित हो रही है। प्रेमचंद ने अपने वैचारिक लेखों में इस ओर पहले ही संकेत कर दिया था। प्रेमचंद अपने साहित्य में किसानों के लिए सत्ता, समाज और राजनीति के खिलाफ जोरदार आवाज उठाते हैं।

अध्यक्ष प्राचार्य प्रो. जमील अहमद ने कहा कि किसान अन्नदाता है, इस महामारी ने किसान के महत्व को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है। देश के उत्थान का अर्थ किसानों का उत्थान है। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ0 फैयाज अहमद ने कहा कि प्रेमचंद कालजयी रचनाकार हैं। उनके साहित्य में हमें आज की समस्याओं की न केवल आहट मिलती है, बल्कि उनके समाधान भी प्राप्त होते हैं। संचालन मोहम्मद साजिद ने किया। डॉ0 मोहम्मद अरशद, डॉ0 दरख्शां बी, डॉ0 शमशाद अली, डॉ0 काशिफ नईम, डॉ0 परवेज मुहम्मद सहित हिंदी विभाग के शोधार्थी के 17 शोधार्थी और परास्नातक कक्षा के छात्र जुड़े रहे।

स्वामी वैल्यू पब्लिशिंग
प्रा0लि0 के लिए मुद्रक,
प्रकाशक :
चंद्रशेखर दीक्षित
द्वारा वैल्यू पब्लिशिंग
प्रा0लि0, ब्रज विहार कालोनी,
शाहजहांपुर से मुद्रित एवं
शेखर हास्पिटल कम्पस,
अन्ना चौराहा,
शाहजहांपुर से प्रकाशित।
सम्पादक :
राजीव कुमार मिश्र
फोन : (05842) 281200
shekhartimes2008@gmail.com
R.N.I. No. UPHIN/2008/24008
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
शाहजहांपुर न्यायालय होगा।

जीएफ में वेबिनार से जुड़े वाराणसी के प्रोफेसर

जासं, शाहजहांपुर : जीएफ कॉलेज में शुक्रवार को हिंदी विभाग की ओर से आयोजित वेबिनार में काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी के प्रोफेसर सदानंद शाही ने प्रेमचंद और भारतीय किसान विषय पर विचार रखे।

कहा कि प्रेमचंद अपने साहित्य के माध्यम से यह स्थापित करते हैं कि किसान भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। । एसोसिएट प्रोफेसर डा. समीर कुमार पाठक ने किसानों की आत्महत्या पर ध्यान खींचा। संगोष्ठी के अध्यक्ष प्राचार्य प्रो. जमील अहमद ने कहा कि किसान अन्नदाता है, कोविड महामारी ने किसान के महत्व को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है। वेबिनार में डा. मोहम्मद अरशद खान, डॉ. दरख्शा बी, डॉ. शमशाद अली, डॉ. काशिफ नईम, डॉ. परवेज मुहम्मद समेत 17 शोधार्थी व परास्नातक छात्र मौजूद रहे।